श्रेष्ठ सुप्रभात

जीवन में एक संकल्प ऐसा रखो, जिसे रखने के लिए तुम अपने प्राणों का भी अर्पण कर सको।

-आचार्य महाश्रमण

NEXT

NEWS EXCELLENT TODAY

तापमान (डिग्री सेल्सियस)

	अधिकतम	न्यूनतम
श्री डूंगरगढ़	25.0	5.0
बीकानेर	24.0	4.0
जयपुर	25.0	6.0

E- Paper NEXT 0004

newsexcellenttoday.com | 15 दिसंबर 2024, रविवार | मार्गशीर्ष, शुक्ल पक्ष, पूर्णिमा- 2081

श्रीडूंगरगढ़ क्षेत्र की बेटी ने चुना खुद का मुकाम, आज देश-विदेश में इनका नाम

NEXT श्रीडूंगरगढ़ के तोलियासर गांव में 10मई 2000 को पिता धनाराम मेघवाल और माता केलुदेवी के यहां एक बालिका का जन्म हुआ और अपने से बड़े एक भाई राजू और बहन शारदा के बाद वापिस जन्मी लड़की के लिए कोई खास बात घर में नहीं थी। वह भी एक सामान्य लड़की की तरह पैदा हुई और सामान्य लालन पोषण हुआ। इसे नाम राधा दिया गया और आज यही राधा राधा हिंदुस्तानी के नाम से राजस्थान सहित अन्य राज्यों में अपने राजस्थानी लोक नृत्य घूमर, भवई, कालेबलिया के लिए जानी जाती है।

बहन- भाई ने किया सपोर्ट, गुरु दे रहे हर कदम साथ

तोलियासर के पास के ही एक छोटे से गांव लाछड़सर की सरकारी स्कूल में 10वीं तक अपनी शिक्षा पूरी की। राधा बताती है कि मेरी मां इसी स्कूल में खाना बनाने का काम करती थी इसलिए मैं इस स्कूल में पढ़ पाई। वरना मैं इतना भी नहीं पढ़ पाती। क्योंकि हमारे घर से स्कूल 6किमी दूर था। 6किमी आना और 6किमी ही जाना। उसमें भी मेरे पापा लड़कियों की पढ़ाई के खिलाफ थे। उनकी सोच थी कि लड़की को किसी और के घर जाकर चौका ही तो संभालना है। परन्तु मेरे बड़े भाई राजू और बड़ी बहन शारदा ने हमेशा मेरा सपोर्ट किया। मुझे बचपन से ही नाचने का शौक था।

10वीं में हमारे एक शिक्षक पूराराम गांधी ने मेरी प्रतिभा को पहचाना। मैं जब 15अगस्त और 26जनवरी को स्कूल में डांस करती थी तो उन्हें मेरे भीतर की प्रतिभा को पहचाना। उन्होंने मुझे आईटीआई के लिए रतनगढ़ भेजा। उसके बाद महारानी सुदर्शना कॉलेज बीकानेर से कला संकाय में स्नातक किया और वर्तमान में एमए चल रही है। स्नातक के दौरान मुझे एनसीसी जॉइन करने का मौका मिला। वहां मुझे नेहा पंवार को देखकर भवई नृत्य करने का शौक चढ़ा और वह ऐसा चढ़ा कि मैं घण्टों-घण्टों इसकी प्रैक्टिस करती और काफी तकलीफें सहकर भी इसे छोड़ा नहीं। एनसीसी में भी मुझे सी सर्टिफिकेट मिला है।

विदाउट पैन, नो गेन

शुरू में मुझे काँच, किलो, तलवार से खूब दर्द होता था परन्तु लक्ष्य अटल था कि मुझे इस कला में निपुण होना है और कई वर्षों की साधना के बाद आज कुछ हद तक इसकी कला में सिद्धस्त हुई हूं। बावजूद इसके दर्द आज भी होता है परन्तु कहते हैं ना "विदाउट पैन, नो गेन"। मुझे हर दर्द को सहना है परन्तु अपने राजस्थान की इस लोक नृत्य कला का परचम पूरे विश्व में फहराना है।

महीनों बेड पर रही, पर जज्बा नहीं खोया, पाया मुकाम

राधा ने बताया कि उनके गले में गांठ बन गई थी। उसे पता भी नहीं था। बाद में इसका ऑपरेशन हुआ। तब डॉक्टर ने कहा कि आवाज रह भी सकती है और जा भी सकती है। यह दिन उसकी जिंदगी का ब्लैक डे था। कई महीनों तक बेड पर रही। मन में डर था कि क्या अब मैं वैसे ही घड़े लेकर नृत्य कर पाऊंगी? पर मैं हार कर बैठ नहीं सकती थी। और पूरे जज्बे के साथ वापिस लौट आयी अपनी दुनिया में।

राधा ने बताया कि उसका वजन 48किलो है और लंबाई 5 फीट 5इंच है। जबकि 26घड़ों की हाइट 7फीट तक होती है। उन्हें बैलेंस कर पाना शुरुआत में काफी मुश्किल भरा रहा पर अब सब अच्छा है। राधा अब तकयूपी, दिल्ली और राजस्थान में कई जिलों में प्रस्तुतियां दी चुकी है। उसने संदेश दिया कि व्यक्ति को लगे कि उसके अंदर कोई प्रतिभा है तो उसे आगे बढ़ना चाहिए। अगर उसे कोई भी साथ न दे तो भी उसे हारना नहीं चाहिए। और जो कोई एक साथ दे, उसे अपना मान आगे बढ़ना चाहिए।

आचार्य को मिलेगा माणक अलंकरण

NEXT सूचना एवं संपर्क विभाग के सहायक निदेशक हरि शंकर आचार्य को इस वर्ष का माणक अलंकरण प्रदान किया जाएगा। माणक अलंकरण चयन समिति द्वारा पुरस्कार की घोषणा की गई। इसके अनुसार आचार्य को जनसंपर्क कर्मी के तौर पर सम्मानित किया जाएगा।आचार्य पूर्व में राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर राज्यपाल के हाथों सम्मानित होने वाले प्रदेश के पहले जनसंपर्क कर्मी हैं। राजभाषा संपर्क अधिकारी के रूप में हिंदी को प्रोत्साहित करने, जनसंपर्क सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारियों का सम्मान सहित विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय

भागीदारी के फलस्वरूप आचार्य का इस सम्मान के लिए चयन किया गया है। आचार्य की हिंदी में एक और राजस्थानी साहित्य की दो पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। इसके साथ ही साहित्यकार डॉ. रेणुका व्यास को भी इस वर्ष का माणक अलंकरण प्रदान किया जाएगा।

बिग्गा गांव में 7वां आंगनबाड़ी केंद्र शुरू

NEXT बिग्गा गांव के कालबेलिया बस्ती में नए आंगनबाड़ी केंद्र का उद्घाटन सरपंच प्रतिनिधि दयानंद सारण द्वारा किया गया। इस अवसर पर आंगनवाड़ी सुपरवाइजर सरिता, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता संगीता, कलावती, इंद्रा बावरी, भंवरी देवी, पूनम कंवर, गीता देवी, शारदा कंवर, जैतू नाई, इंद्रा मेघवाल, सोनू मेघवाल उपस्थित रहे। साथ ही कालबेलिया समाज की महिलाएं और बच्चे भी बड़ी संख्या में मौजूद थे। सरपंच जसवीर सारण ने बताया कि यह नया आंगनबाड़ी केंद्र अस्थाई रूप से

सामुदायिक भवन में संचालित किया जाएगा। गांव बिग्गा में यह 7वां आंगनबाड़ी केंद्र है। सरपंच प्रतिनिधि दयानंद सारण ने विधायक ताराचंद सारस्वत का इस केंद्र के संचालन के लिए आभार प्रकट किया।

पब्लिक बाधा (न्यूसेंस) के सन्दर्भ में बीएनएसएस-152 के बारे में जानेंगे

NEXT अधिवक्ता दीपिका करनाणी

पब्लिक न्यूसेंस/बाधा होती क्या है?

1. कोई सार्वजनिक स्थान या मार्ग जो आम जनता द्वारा अधिकार स्वरूप उपयोग में लिया जा रहा है और उसमें विधि के विरुद्ध जाकर किसी व्यक्ति द्वारा बाधा उत्पन्न कर दी जाए। जैसे गड्ढे खोदकर रास्ता बंद करना, बाड़ या दीवार से रास्ता बंद करना या रास्ते पर कब्जा करके संकुचित करना।
2. ऐसा व्यापार, जो मानव जीवन और शारीरिक सुख के लिए हानिकारक हो। जैसे ऐसी कोई फैक्ट्री लगाना जिससे हानिकारक गैस या पदार्थ मानव जीवन को संकट में डालने वाले हो।
3. ऐसा कोई भवन/संरचना या वृक्ष जिसके गिर जाने की संभावना हो और उसके कारण वहां से गुजरने वालों/ पड़ोस में रहने वालों/ कारोबार करने वालों को हानि हो सकती हो।
4. किसी भयानक जीव- जंतु द्वारा आमजन को हानि पहुंचने की आशंका हो।
5. इन पब्लिक बाधाओं से निजात पाने के लिए भारतीय न्याय सुरक्षा संहिता की धारा 152 में प्रावधान है।

प्रावधान कौनसे हैं?

व्यक्ति या व्यक्तियों का समूह उपरोक्त प्रकार से पब्लिक न्यूसेंस करता है तो पीड़ित पक्ष जिला/उपखण्ड/कार्यपालक मजिस्ट्रेट के समक्ष प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर सकता है। संबंधित मजिस्ट्रेट उस प्रार्थना पत्र पर अप्रार्थी के विरुद्ध एक सशर्त आदेश दे सकता है कि अप्रार्थी तुरंत उस पब्लिक न्यूसेंस को हटाए। व्यक्ति अगर इसके बाद भी पब्लिक न्यूसेंस नहीं हटाता है तो न्यायालय दोनों पक्षों की सुनवाई करके मामले का निस्तारण कर देता है। अंतिम आदेश भी पारित कर देता है। अप्रार्थी द्वारा आदेश की अवहेलना पर उसे कारावास/जुर्माने से दंडित किया जा सकता है।

हरे कृष्णा महिला मंडल का गठन

कीर्तन से करेगी श्रीकृष्ण के विचारों का प्रचार

NEXT श्रीडूंगरगढ़ कस्बे की महिलाओं ने आध्यात्मिक उन्नयन के लिए एक संगठन का गठन किया है और अब उनके द्वारा प्रतिदिन कीर्तन करके श्रीकृष्ण के विचारों को आमजन तक पहुंचाया जाएगा। कस्बे की 6महिलाओं ने शुक्रवार को "हरे कृष्णा महिला मण्डल" गठन किया और ममता सोनी को अध्यक्ष, अंजू दुगड़ को मंत्री, पिंकी शर्मा को व्यवस्थापक, सुरेखा व्यास को कोषाध्यक्ष, सुमन बैद और इंदु सिंघी को प्रचार-प्रसार मंत्री का दायित्व सौंपा गया। सुरेखा व्यास ने बताया कि

उनके इस संगठन का उद्देश्य श्रीकृष्ण की भक्ति मार्ग पर आमजन को जोड़ना और श्रीकृष्ण के विचारों को व्यापकता देना है। महिलाओं ने संगठन की स्थापना पर छप्पन भोग श्रीकृष्ण को अर्पित किया और कुछ समय तक कीर्तन किया।

आंगनबाड़ी दूध वितरण योजना का हुआ शुभारम्भ

हफ्ते में तीन दिन मिलेगा दूध

NEXT मुख्यमंत्री अमृत आहार (आंगनबाड़ी दुग्ध वितरण योजना) के तहत शनिवार को श्रीडूंगरगढ़ कस्बे के आंगनबाड़ी में पार्षद एवं विभागीय अधिकारी द्वारा बच्चों को दुग्ध पिलाकर उद्घाटन किया गया। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता मंजू स्वामी ने बताया कि इस योजना के अनुसार 3 से 6वर्ष के बालक/बालिकाओं को सप्ताह में तीन दिन दुग्ध पिलाया जायेगा। शनिवार को उपखण्ड स्तर पर इस योजना का उद्घाटन पार्षद रामसिंह जागीरदार एवं महिला एवं बाल विकास विभाग की महिला पर्यवेक्षक सरिता सिहाग ने आंगनबाड़ी संख्या-18 में किया। इस अवसर पर पार्षद रामसिंह ने कहा कि

मुख्यमंत्री अमृत योजना में शुरू किये जा रहे दुग्ध वितरण योजना का सभी वार्डवासियों को लाभ लेना चाहिए। क्योंकि दूध नन्हें बालक-बालिकाओं के लिए पौष्टिक आहार है। इस अवसर पर आंगनबाड़ी केंद्र पर उपस्थित सभी बालक- बालिकाओं का माला पहनाकर स्वागत किया गया एवं दूध पिलाया गया। इस दौरान आशा सहयोगिनी परमेश्वरी देवी एवं सहायिका पूजा देवी उपस्थित रही।